NaiDuniya (Indore), 15th July 2026, NaiDuniya City, Page – I

बेंगलुरु में आइआइटी इंदौर की छठी उद्योग बैठक संपन्न

नई तकनीकों पर बढ़ेगा उद्योग-शिक्षा का सहयोग

बेंगलुरु में आइआइटी की उद्योग बैठक में शामिल विशेषज्ञ। • सौजन्य संस्था

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संस्थान ने बेंगलुरु में छठी उद्योग बैठक (सीआइसी-सीएसआर) रखी। इसमें देश की 28 प्रमुख औद्योगिक कंपनियों के करीब 50 वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप शोध, नई तकनीकों के विकास और संयुक्त परियोजनाओं को बढ़ावा देना था।

निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य उद्योगों के साथ मिलकर ऐसे शोध और तकनीकी समाधान विकसित करना है, जो देश के औद्योगिक विकास में उपयोगी साबित हों। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआइ) को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का विशेष फंड बनाया है। इस योजना के तहत सरकार और उद्योग 50-50 प्रतिशत की भागीदारी से संयुक्त शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाएंगे। इससे नई तकनीकों के विकास और नवाचार को गति मिलेगी।

बैठक के पहले तकनीकी सत्र में उद्योग विशेषज्ञों ने इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों और भविष्य की जरूरतों पर चर्चा की। बीएचईएल और बीईएमएल के अधिकारियों ने हाई-स्पीड रेल तकनीक और सुरक्षा प्रणालियों से जुड़े अनुभव साझा किए। वहीं जीजी ट्रानिक्स, केन्स टेक्नोलाजी और विन्यास इनोवेटिव टेक्नोलाजी के विशेषज्ञों ने इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग में तेजी से बदलती तकनीकों और नई संभावनाओं पर अपने विचार रखे। दूसरे सत्र में भविष्य की तकनीकों और आइआइटी इंदौर के साथ संयुक्त अनुसंधान पर पैनल चर्चा हुई। इसमें आटोमोबाइल कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच मजबूत पर जोर दिया। शोध को सीधे उद्योगों तक पहुंचाने की बात कहीं। इससे देश में नवाचार, तकनीकी विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।